[समय: २ घंटे] **(कुल अंक: ६०)**

सूचना - सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न १ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। ४०

क) रस की परिभाषा स्पष्ट करते हुए रस के अवयवों का विवेचन कीजिए।

ख) रीति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए काव्यगुणों पर प्रकाश डालिए।

ग) आ. रामचन्द्र शुक्ल की समीक्षात्मक दृष्टि का आकलन कीजिए।

घ) लोंजाइनस की उदात्त संबंधी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न २ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए। १०

च) अलंकारों का वर्गीकरण छ) आ. नंददुलारे वाजपेयी

ज) अभिजात्यवाद झ) प्लेटो का काव्य सिद्धांत

प्रश्न ३ (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए। ०५

१. रस-निष्पत्ति संबंधी अभिव्यक्तिवाद का प्रतिपादन किसने किया है?

२. अलंकारवादी प्रमुख आचार्यों के नाम लिखिए।

३. रीति के वामन ने कितने भेद स्वीकार किए हैं?

४. वर्डसवर्थ और कॉलरिज ने किस सिद्धान्त को प्रतिपादित किया?

५. किसने त्रासदी को गंभीरता पूर्ण और निश्चित आयाम से युक्त कार्य का अनुकरण माना है?

(आ) सही विकल्प चुनकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। ०५

१. भारतीय काव्यशास्त्रियों ने समय समय पर किस रस को प्रधान रस घोषित किया है।

(क) करुण (ख) वीर (ग) शृंगार (घ हास्य

२. किस आचार्य ने सर्वप्रथम एक विशेष सिद्धान्त के अनुसार अलंकारों का विभाजन किया है?

(क) भामह (ख) यशस्क (ग) रुय्यक (घ) रुद्रट

३. हिन्दी निबन्ध साहित्य में मील के पत्थर किसे कहा जाता हैं?

(क) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ख) नन्ददुलारे वाजपेयी (ग) रामचन्द्र शुक्ल (घ) डॉ. नगेन्द्र

४. स्वच्छन्दतावाद कब शुरू हुआ?

(क) ८ वीं शताब्दी (ख) ९ वीं शताब्दी (ग) १० वीं शताब्दी (घ) ११ वीं शताब्दी

५. विरेचन सिद्धान्त के प्रवर्तक कौन है?

(क) कॉलरिज (ख) प्लेटो (ग) अरस्तू (घ) लोंजाइनस

4B728A3583E94F63366BAEDD9CDD5DF8